

प्रतिलिपि

पावर वित्त निगम लिमिटेड का सम्मेलन आहवान

विषय अवधि : 1 घंटा 8 मिनट 31 सेकेंड
 विषय की तारीख : 10 नवम्बर, 2010

प्रस्तावना**अध्यक्ष :**

रजत जयन्ती समारोह। पिछली बार मैंने उल्लेख किया था परंतु मैं दोहराना चाहूंगा कि जुलाई से आगे, हमने अब अवसंरचना वित्त कंपनी के रूप में कार्य शुरू किया है। पूर्व में जैसा कि आप जानते हैं, हम ऋण कंपनी थे। उपलब्धियों से आप भलीभांति परिचित हैं, परंतु सूचीबद्ध करते हैं : अब हम प्रति एकल कंपनी के साथ-साथ कंपनी समूह में 5 प्रतिशत अधिक पर उधार दे सकते हैं। बैंक हमें अधिक धन उधार दे सकते हैं, जो पूंजीगत निधियों के 5 प्रतिशत अतिरिक्त होगा और निम्नतर लागत पर होगा क्योंकि हमारी जैसी एएए निर्धारित कंपनियों के लिए जोखिम दर 100 प्रतिशत से घटाकर 20 प्रतिशत किया गया है। हमें अवसंरचना बांडों में वृद्धि करने की अनुमति दी गई है; समय और अन्य चीजों के बारे में मैं कुछ समय बाद बताऊंगा। हमें भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बगैर 50 प्रतिशत की सीमा में अथवा निवल मूल्य में बाह्य वाणिज्यिक उधारियों में वृद्धि करने की अनुमति भी दी गई है। वार्षिक कैप प्रक्रिया 500 मिलियन डालर है तथा हम उपर्युक्त की 15 प्रतिशत की पूंजीगत पर्याप्तता रखने की आशा करते हैं। इसका हमारे लिए क्या अर्थ है, जहां आज हम खड़े हैं, मैं थोड़ी देर में बताऊंगा।

हमने 3 लाख करोड़ की संचयी ऋण मंजूरीयों और 1.5 लाख करोड़ की संचयी संवितरणों को पार किया है। सूचीबद्ध कंपनियों के लिए

बाजार उच्चतम सीमा आज एक महत्वपूर्ण संसूचक है। कल हमारी बाजार उच्चतम सीमा ने 43,000 करोड़ को छुआ है। सभी सूचीबद्ध कंपनियों में हम 35वें नम्बर पर हैं। आप जानते हैं कि पब्लिक में हमारी शेयर पूंजी केवल 10.22 प्रतिशत है। वित्तीय खिलाड़ियों में हम छठे नम्बर पर हैं, जो बाजार सीमा पर आधारित है और हम अब एच डी एफ सी के बाद बड़े एन बी एफ सी के रूप में उभरे हैं। अभी हाल ही में हमने न्यूक्लीयर पावर कारपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर यह बताते हुए हस्ताक्षरित किए हैं कि श्री अजीत प्रसाद, जो हमारे बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक हैं, अभी अभी हमारे साथ जुड़े हैं, का स्वागत है, हमने न्यूक्लीयर पावर कारपोरेशन के साथ यह ध्यान में रखते हुए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं कि वे अपने व्यवसाय का विस्तार करने जा रहे हैं। अभी तक उनके पास सीमित विकल्प थे और वे धन के मालिक थे। अब यह कि संधि पर हस्ताक्षर हो गए हैं, न्यूक्लीयर पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष ने हमारे साथ भागीदारी की है कि उन्होंने एक लाख करोड़ से अधिकके बीच कहीं भी अगले पांच से दस वर्षों में जरूरत पर बल दिया है, ताकि हम इस अवसर को देख सकें जिसके लिए हमने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, यह कि हम न्यूक्लीयर पावर प्रोजेक्ट, जो वास्तव में हमारे प्रोजेक्ट एवं अस्तित्व, दोनों मूल्यांकन मापदंड पर आधारित है, को निधि देने के लिए तैयार हैं। हमने उन्हें आश्वासन दिया है कि हम उन्हें सिर्फ ऋण वित्त व्यवस्था ही उपलब्ध नहीं कराएंगे, यदि उन्हें इसकी जरूरत हो और हो सकता है, बाद की तारीख में भी हम समान सहभागिता की संभावना का पता लगाएंगे।

ग्यारहवीं योजना और बारहवीं योजना, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ती जा रही है। बारहवीं योजना में यह 11वीं योजना से लगभग 30 प्रतिशत से 32 प्रतिशत की तुलना में 63 प्रतिशत होने जा रही है। भारतीय पावर क्षेत्र में इसे एक बड़े परिवर्तन

के रूप में स्वीकार करते हुए, हम महसूस करते हैं कि यह हमारे लिए सुखद उधारी का अवसर प्रदान करने जा रहा है। हम एक प्रबल खिलाड़ी होने के कारण, हम सोचते हैं कि यदि हम एक अलग सहायक कंपनी खोलते हैं, जो इस संभावना को सृजित करती है, तो हम उच्चतर लीड फीस अर्जित करने में सक्षम होंगे। पहले छह महीने में हमने 23 करोड़ की लीड फीस अर्जित की है और प्रत्याशित रूप में वर्ष के अंत तक हमें लगभग 37 से 40 करोड़ अर्जित करना चाहिए।

जैसाकि आप जानते हैं नेशनल सोलर मशीनों का नवीनीकरण और परिवर्तन, जो वाइन्ड पावर मार्केट में सामने आए हैं, दोनों अतःप्रभावी हो गए हैं। कम से कम सोलर मशीन के लिए सरकार सामूहिक पहुंच के जरिए जोर दे रही है, जिसका एन टी पी सी को पालन करने के लिए कहा गया है। अभी तक हमारे पास नवीनीकरणीय क्षेत्रों में 3,800 करोड़, संवितरित 1,700 अतिरिक्त करोड़ की मंजूरियां हैं, परंतु हमने आने वाले 3 से 4 वर्षों में 12,000 करोड़ अथवा इतनी राशि के कारोबारी अवसर को देखा है। प्रदत्त तथ्य कि हम सभी प्रकार के कर्जदारों से कहीं से भी 4,000, 3,000, 2500, 2000, 1000 मेगावाट तक की रेंज की क्षमता में प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, हमारे पास इन प्रस्तावों को देखने के लिए एक तकनीकी पूल है। हमने सोचा कि नवीकरणीय क्षेत्र में छोटी परियोजनाएं जो सामान्य तौर पर 100 मेगावाट 15, 120, 25, 50 से कम के हैं, उस किस्म के प्रबलित आकर्षण को प्राप्त नहीं कर रहे हैं; अतः इसलिए हम ऐसी जांच प्रक्रिया में लगे हैं, जिससे हम नवीकरण के लिए एक अलग सहायक कंपनी खोल सकते हैं।

पुनर्संरचित ए पी डी आर पी योजना, जो पावर क्षेत्र में अति नाजुक मामले को कम करने के लिए भारत सरकार की एक बड़ी पहल है, वह संवितरण हानियां हैं, योजना में परिकल्पित है कि संवितरण हानियों को कम से कम सभी शहरों में, जहां जनसंख्या जनगणना 2001 के

अनुसार 30,000 से अधिक है, 28 प्रतिशत, 29 प्रतिशत के मौजूदा स्तर से नीचे 15 प्रतिशत में लाया जाना है। हमने उस प्रक्रिया को पूरा किया है, ऐसे शहर 1400 हैं और अब तक हमने इस योजना के अंतर्गत 16,000 से अधिक करोड़ मंजूर किए हैं और लगभग 2500 करोड़ संवितरित किए हैं। मैं आपके साथ भागीदारी से खुश हूँ कि इस योजना को भाग क और भाग ख, दो भागों में क्रियान्वित किया जाना है। भाग क को आधुनिक आई टी प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके बेसलाईन डाटा को स्थापित किया जा रहा है। आपको यह जानकर खुशी होगी कि हमने सभी 1400 शहरों को भाग क ऋण स्वीकृत कर दिए हैं और भाग ख, जो वास्तव में, हानियों को कम करने के लिए सिस्टम को उन्नत बनाता है, हमने मोटे तौर पर 60 प्रतिशत शहरों को ऋण स्वीकृत किए हैं और शेष को इस वित्तीय वर्ष के अंत तक पूरा करने की योजना है। इस कार्य को करने के लिए हम नोडल एजेंसी शुल्क प्राप्त कर रहे हैं, क्योंकि इस योजना के लिए हम नोडल एजेंसी हैं। आपको याद होगा कि पहले तिमाही परिणाम तब प्राप्त हुए जब मैंने भाग लिया था। मैंने कहा कि हमने आपको लौटाया है और अब सरकार को निर्णय लेना है कि किस आधार पर वे हमें आय प्रदान करेंगे। उस संरचना का अब निर्णय लिया गया है। यह तीन भाग होने जा रहा है – मंजूरी के समय, संवितरण के समय और अंतिम रूप से माइलस्टोन पर। हमने पूर्ववर्ती वर्ष के अब तक के शुल्क सहित संपूर्ण शुल्क को, जो भी अभी तक देय था, प्राप्त कर लिया है।

भारत सरकार द्वारा दूसरी बड़ी पहल अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट थी, जिसका हम एक बार पुनः नोडल एजेंसी थे। हम नोडल एजेंसी हैं। हम वास्तविक रूप में चिन्हित नौ अल्ट्रा मेगा पावर परियोजनाओं की तैयारी में हैं। अभी हम 16 पर कार्य कर रहे हैं। जैसाकि आप जानते हैं, चार पहले ही स्वीकृत किए गए हैं, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा और दो के लिए हमने आर एफ क्यूज जारी कर दिए हैं। मंजूरी के अभाव और

कोल माइन्स के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र, जिसे पर्यावरण मंत्रालय द्वारा उठाया गया है, तारीखे भिन्न-भिन्न हैं, परंतु यह मुद्दा उच्चतर स्तर पर विद्युत मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय और शायद पी एम में भी विचाराधीन है, इसलिए निकट भविष्य में कुछ हल निकलने की संभावना है। दूसरे अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्टों के लिए हमारी चालू वित्तीय वर्ष में दो और के लिए आर एफ क्यूज जारी करने की योजना है, वह तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश का नयनपल्ली, दूसरा अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट है। तमिलनाडु में एकमात्र मुद्दा पत्तन क्षेत्र के लिए पर्यावरण मंजूरी है और आंध्र में, मैं समझता हूँ कि यह किंचित पानी का मुद्दा है, जिसे अभी हल किया जाना है, जिसके बाद हम आर एफ फ्यूज जारी करने की स्थिति में होंगे।

ट्रांसमिशन : बड़ी ट्रांसमिशन परियोजना, जिसे हम अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्टों की सदृश पद्धति पर कर रहे हैं। आप जानते हैं कि हमने दो अल्ट्रा ट्रांसमिशन के लिए आर एफ क्यू जारी किए थेएक था जबलपुर ट्रांसमिशन कंपनी और दूसरा था भोपाल धूले ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड। हमें प्रत्युत्तर प्राप्त हुआ हैमैं समझता हूँ कि एक मामले में 33 लोगों ने भाग लिया है और हम मूल्यांकन कर रहे हैं और वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले हम इन दो ट्रांसमिशन लाइनों को सौंपने की संभावना रखते हैं, जिसका तात्पर्य हमहोंगे, यदि वे कंपनियां, जिन्हें हम परियोजनाओं को सौंपेंगे, शीघ्र इन एसपी वीज को अधिग्रहण करेंगे, हम इन दो कंपनियों के लिए भी 15 करोड़ की आय अर्जित कर सकते हैं। यदि वे कुछ समय लेते हैं, तब वह आय अगले वर्ष की पहली तिमाही में चली जाएगी। परंतु यह निश्चित है कि हम इन दो परियोजनाओं को सफल बोलीदाता को प्रदान करने जा रहे हैं।

परामर्श देना, जो हमारे निष्पादन का दूसरा क्षेत्र है; अब तक 20 राज्यों में हमें 37 ग्राहक प्राप्त हुए हैं; लगभग 162 करोड़ मूल्य के 68 परेषण प्राप्त हुए हैं और परामर्श के लिए इस तरह की बड़ी राशि एक

बहुत अच्छा आंकड़ा है। वर्तमान में हमारे पास 18 परेषण हाथ में हैं, जिनका मूल्य लगभग 113 करोड़ है। वित्तीय वर्ष, 2010 में हमने 22 करोड़ का पी ए टी अर्जित किया था, संभवतः इस वर्ष इसके दुगुने से थोड़ा कम हो सकता है, जो इस विषय पर निर्भर रहते हुए होगा जो ट्रांसमिशन लाइनों की आय में भी होता है।

पूंजीगत पर्याप्तता जैसा कि आई एफ सी स्थिति में कहा गया है, अब हम 15 प्रतिशत अनुरक्षण के लिए अपेक्षित हैं। जैसाकि 30 सितम्बर को हमारी पूंजी पर्याप्तता 17.43 प्रतिशत है और जैसा कि आप जानते हैं कि पिछली बार मैंने आपके साथ भागीदारी की, जिसमें हमारी संपत्ति वृद्धि पहले तिमाही में 29 प्रतिशत थी। इस समय अर्धवार्षिक संपत्ति वृद्धि 28 प्रतिशत है, जो जी ए जी आर के 22 प्रतिशत से काफी अधिक है और यह उच्चतर आधार पर है, इसलिए यह वृद्धि दर की किस्म है, जिसमें हम आगे बढ़ रहे हैं। निश्चित रूप से उस किस्म की वृद्धि दर में हमें अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता होगी और इसलिए हमने अनुवर्तन प्रस्ताव के रूप में प्रदत्त पूंजी को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए बोर्ड के साथ-साथ शेयर धारकों की मंजूरी ले ली है। और वह प्रस्ताव वर्तमान में विद्युत मंत्रालय के पास विचाराधीन है और इसके बाद मंत्रालय एक बार मांग करने पर मंत्रिमंडल टिप्पणी को विभिन्न मंत्रालयों को परिचालित किया जाएगा और उनकी टिप्पणियों के आधार पर इस संबंध में अंतिम राय ली जाएगी कि कब और कितने अनुवर्ती जन प्रस्ताव को हम सफल बना सकते हैं। आई एफ सी स्थिति प्राप्त करते हुए भी हमने चालू वर्ष में बहुत ही आकर्षक लागत पर जे पी वाई एल आई बी ओ आर जमा 1.96 प्रतिशत के येन मूल्य वर्ग ऋण के सदृश 240 मिलियन अमरीकी डालर की वृद्धि की है।

मैं यहां स्पष्ट कर दूँ कि हमारा एक बैंक और इसी तरह की चीजें होने के बारे में ढेर सारी बातें चल रही हैं। जैसा कि मैंने उस बिन्दु के बारे में स्पष्ट किया था जब मैंने यह घोषणा की, यह केवल एक समन्वेषी

प्रक्रिया है। ऐसा कोई निर्णय अब तक नहीं लिया गया है, क्योंकि मीडिया और कुछ लोग संपूर्ण मामले को एक ऐसे तरीके में पेश करते हैं, माना कि हम ऐसा कर रहे हैं। हम एक परामर्शदाता नियुक्त करने जा रहे हैं, परामर्शदाता को नियुक्त करने की प्रक्रिया वर्तमान में चालू है, जिसके बाद परामर्शदाता विभिन्न विकल्पों की रूपरेखा तैयार करेगा, जो हमारे पास हैं और तब हम इस संबंध में घोषणा कर पाएंगे कि यह सही मायने में विविधता अथवा किसी दूसरे विकल्प के रूप में, यदि परामर्शदाता हमें सलाह देता है, हमारे लिए बैंक स्थापित करने के लिए व्यवहार्य है। इस प्रकार, जहां तक वर्तमान स्थिति का संबंध है, यह केवल अन्वेषी प्रक्रिया है, अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

वित्तीयऋण परिसंपत्तियों को देखते हुए, मैंने इसके अतिरिक्त दूसरे तिमाही में आपसे पहले ही कहा था कि प्रथम छः महीने में यह 28 प्रतिशत हो गया है। दूसरे तिमाही में संवितरण वृद्धि पिछले वर्ष के दूसरे तिमाही पर 40 प्रतिशत हो गया है और परिणामस्वरूप अर्ध-वार्षिक वृद्धि पर 63 प्रतिशत है। प्रश्न 2 में मंजूरियां, पिछली बार कुछ लोगों ने यह मामला उठाया कि मंजूरियां पिछले वर्ष की पहली तिमाही की तुलना में कम हैं। दूसरे तिमाही में हमने इसे बढ़ाया है। मंजूरियां 84 प्रतिशत अधिक हैं और इसलिए, पहली अर्ध वार्षिक मंजूरियां 25 प्रतिशत अधिक हैं। अति महत्वपूर्ण प्रश्न, जिसे अधिकांश लोग पूछना चाहते हैं, कि आगे क्या होने जा रहा है? मैं इस जानकारी को आपके साथ बांटना चाहूंगा कि बकाया मंजूरियां इस आधार पर हैं, जिसका निर्णय इस बात पर रहेगा कि आगे बढ़ने वाली वृद्धि दर क्या होने जा रहा है। 30 सितम्बर, 2010 के अंत में लगभग 1,64,000 करोड़ की बकाया मंजूरियां हमारे पास हैं।

बहुत अच्छा, इन वृद्धि आंकड़ों की दिशा में, दूसरे तिमाही के लिए हमारी कुल आय 24 प्रतिशत तक बढ़ गई है। वास्तव में आप ब्यौरों को देखेंगे, मैं केवल कुछ ही चीजों का उल्लेख करूंगा; और परिणामतः

अर्धवार्षिक कुल आय पी ए टी के दूसरे तिमाही में 22 प्रतिशत तक बढ़ने की तुलना में 26 प्रतिशत तक ऊपर गई है और दूसरे अर्धवार्षिक में यह 23 प्रतिशत तक ऊपर गई है। तिमाही में निधियों की लागत 37 बेसिस अंक तक कम हुई है और परिणामतः अर्धवार्षिक कुल लागत 22 बेसिस अंक तक नीचे आई है। इसके परिणामस्वरूप फैलाव 24 बेसिस अंक तक तिमाही के लिए ऊपर गया है और अर्धवार्षिक के लिए यह 23 बेसिस अंक तक बढ़ा है। एम आई एम, में उल्लेख नहीं करना चाहूंगा, मैंने कई बार स्पष्ट किया है, जैसा कि उल्लेखन में सुधार होगा, एन आई एम की विस्तार की दिशा में बढ़ने का प्रवृत्ति होगी। परंतु यदि आप चाहते हैं, तो एन आई एम तिमाही में धीरे-धीरे 4.20 से 4.08 तक कम होता है और अर्धवार्षिक के लिए 4.20 से 4.13 तक कम होता है। संवितरणों और बकाया मंजूरीयों के बारे में मैंने पहले ही चर्चा की है। अर्जित मूल्य 103.86 से 119.32 तक बढ़ गया है; ई पी एस 22 रुपए से 24 रुपए अधिक है तथा पूंजीगत उपयुक्तता 17.7 प्रतिशत से 17.43 प्रतिशत है। वह क्या है जो घटित हुआ है।

निष्कर्षतः मैं कहना चाहूंगा कि आगे बढ़ते हुए वित्तीय वर्ष के अंत तक हम एक लाख करोड़ की अर्जित परिसंपत्ति को पार कर सकते हैं। कभी-कभी हम चौथे तिमाही में अथवा अगले वित्तीय वर्ष के पहले तिमाही में एफ पी ओ को प्राप्त कर सकते हैं, 20 एफ पी ओ कितना होगा, क्या यह 15 प्रतिशत जमा 5 प्रतिशत होगा, 10 प्रतिशत जमा 10 प्रतिशत होगा अथवा मंत्रिमंडल टिप्पणी के बाद क्या परिचालित किया जाता है और क्या निर्णय लिया जाता है। आगे बढ़ते हुए हमारी विस्तारण कार्यनीति अत्यधिक संकेन्द्रण और विस्तारित कारोबार लाने के लिए सहायक कंपनियां सृजित करना होगा। हमारे पास पहले से एक आई एफ सी परामर्शी विषय हैं, जहां मैंने भागीदारी की है, वहां आय और लाभ लगभग दोगुने हैं। परंतु एक पहले से बोर्ड द्वारा निर्णय लिया है, परंतु एक पहले से बोर्ड द्वारा स्वीकृत है, दूसरा

विचाराधीन है, इसलिए यह संकाय उधारी के लिए सहायिकी और ऋणों के साथ-साथ ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्टों के संघीकरण के लिए अत्यधिक जोर देने के लिए नवीनीकरणीय के लिए सहायिकी के लिए विचाराणीय क्षेत्र में है। पेड़, शाखाओं के साथ, यही हमारी विस्तारण कार्यनीति है। शाखाओं को सृजित करते रहिए और व्यवसाय को फैलाते रहिए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं एक पुनः निवेशकों के इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ।

अब हम विस्तृत प्रस्तुतीकरण देख सकते हैं और तब प्रश्नोत्तर सत्र चलेगा। जब तक कि कोई यहां प्रश्न नहीं पूछना चाहता हो।

पी एफ सी प्रबंधन :

धन्यवाद महोदय, हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, हमारे निदेशक, मेरे सहयोगियों और महिलाएं एवं सज्जनो, हम अब 30 सितम्बर, 2010 को समाप्त हुए तिमाही के लिए और अर्धवार्षिक वित्तीय वर्ष 2011 के लिए भी पी एफ सी वित्तीय व्यवस्थाओं पर एक छोटी सी प्रस्तुति पेश करेंगे।

2010 में महत्वपूर्ण मील के पत्थर, मैं बांटना चाहूंगा कि पी एफ सी को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आई एफ सी सम्मान प्रदान किया गया है और हमने न्यूक्लीयर पावर कारपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके ब्यौरे को हमारे अध्यक्ष महोदय द्वारा देख लिया गया है। हमारे पास एक आई टी पी, स्वतंत्र ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट था, जिसे 2010 में सफल बोलीदाता, स्टेरलाइट प्रौद्योगिकी को अंतरित किया गया है। हमारे पास एक बहुत ही अपर्याप्त संगठन है और स्टाफ की कुल नफरी 324 है तथा स्टाफ नफरी का 65 प्रतिशत, जो 5 से 15 वर्षों से अधिक समय से हमारे साथ है और निरंतरता को दर्शाता है, और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हमारा प्रति कर्मचारी संवितरण 45 करोड़ है तथा छह महीने के लिए प्रति कर्मचारी लाभ एच। एच वाई, 2011 के लिए 4.18 करोड़ रुपए है।

पिछले वर्ष प्रति कर्मचारी उच्चतम लाभ होने के कारण हमें पुरस्कार प्राप्त हुआ है तथा इस वर्ष हम इस प्रति कर्मचारी लाभ के लिए अपने स्वयं के रिकार्डों में सुधार करेंगे।

वित्तीय निष्पादन संबंधी मुख्य-मुख्य बातें को हमारे अध्यक्ष महोदय ने पहले ही आपके साथ बांट दी हैं। हमारे पास मंजूरी और संवितरणों में अति उत्साही निष्पादन था, विस्तारण में वृद्धि हुई है, कुल आय में वृद्धि हुई है। निवल आय और व्यय आय में बढ़ोतरी हुई है। एन पी ए को निम्न स्तर पर बनाए रखा गया है, यह डेसीमल, सेकेंड डेसीमल में है। हमारे लाभ में तिमाही में 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है और छह महीने में 13 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है; परंतु यदि आप अतिरिक्त स्वाभाविकताओं, जैसे कि विनिमय लाभ-हानि, एक बारगी प्राप्तियां अथवा एकबारगी अदायगियों, जो विशेष आय कर प्रतिदायों, नोडल एजेंसी फीस आदि पर ब्याज के रूप में हों, की बात करते हैं, तब तिमाही के लिए हमारे लाभ में 22 प्रतिशत तक का सुधार हुआ है और अर्धवार्षिक रूप में हमारे लाभ में 23 प्रतिशत तक का सुधार हुआ है।

यदि आय लाभ एवं हानि खाते को देखें, तो मैं केवल लाभ एवं हानि खाते में आने वाली महत्वपूर्ण मद को उजागर करूंगा, जहां कुछ ही गतिविधियां उभर कर आई हैं तथा अन्य ब्यौरे वेबसाइट में उपलब्ध होंगे, जिन्हें प्राप्त किया जा सकता है। इसे पहले ही वेबसाइट में अपलोड किया गया है। इसलिए आप वहां से विस्तृत जानकारी ले सकते हैं।

अन्य आय भी पिछले वर्ष के दूसरे तिमाही में 81 करोड़ से इस वर्ष के दूसरे तिमाही में कम हो कर 38 करोड़ हुई है, जो मूल रूप से इस कारण से है कि पिछले वर्ष हमारे पास कुछ बड़ी आयकर वापसी थी, जिस पर हमें ब्याज प्राप्त हुआ था। इस ब्याज को अन्य आय के रूप

में प्राप्त किया गया है। इसलिए यह कम हुआ है। इस वर्ष हमारे पास केवलथा, पिछले वर्ष हमारे पास आयकर वापसी पर ब्याज का लगभग 34 करोड़ था, इस वर्ष हमारे पास लगभग 8 करोड़ अथवा इसी तरह का था। आयकर वापसी में यह एक बड़ी गिरावट है तथा हमारे पास कुछ अन्य आय थी, जैसे कि यू एम पी पी आय, जिसे हमने पिछली बार स्थानांतरित कर दिया था। झारखंड यू एम पी पी, जिसके लिए हमने पिछले वर्ष 14 करोड़ अर्जित किए। इस वर्ष आर एफ क्यू दो यू एम पी पीज के लिए प्रक्रिया में है, वह है छत्तीसगढ़ और उड़ीसा, जब भी यह आर एफ क्यू अवस्था से सफलतापूर्वक बोली के लिए आता है, और तभी सफल बोलीदाता को अंतरित किया जाता है; तब हमें केवल आय प्राप्त होगी, अतः इस तिमाही में हमारे पास यू एम पी पी आय नहीं है, अतः इसमें कमी आई है। लाभ, आय वृद्धि और तब कर वृद्धि से पहले लाभ पर विचार करने पर कर प्रावधान पिछली तिमाही में 126 करोड़ से इस तिमाही में 263 करोड़ दोगुने हुए प्रतीत होते हैं। यह मूल रूप से इसलिए है, जैसा कि मैंने आपको बताया कि आयकर दर वही है, हमारी प्रभावी कर दर वही है, जो 26.5 प्रतिशत अथवा कुछ इसी तरह है, जबकि तदनुसारी तिमाही में पिछले वर्ष हमारे पास 79 करोड़ की बड़ी आयकर वापसी थी, इस वर्ष हमारे पास इतनी अधिक आय कर वापसी नहीं है। दूसरा, इस तिमाही में हमारे पास विनिमय लाभ था, जैसा कि पिछले वर्ष के विनिमय हानि से तुलना की गई है, अतः आय कर में वृद्धि हुई है, अतः आय कर प्रावधान में 126 करोड़ से 263 करोड़ की वृद्धि क्यों हुई है। इनके कारण लाभ पिछले वर्ष में 638 करोड़ के प्रति 701 करोड़ पर आया है। जैसाकि मैंने आपको बताया कि तुलनीय लाभ में 22 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। यदि आप अंतिम लाइन को देखें तो औसत संपत्तियों पर वापसी, औसत परिसंपत्तियों के प्रतिशत के रूप में वार्षिकीकृत करने के बाद लाभ में 3.53 प्रतिशत से 3.04 प्रतिशत की मूल रूप में कमी आई है,

अतः जैसा कि मैंने आपको बताया, अन्य आय कम हुई है और कर प्रावधान में वृद्धि हुई है। कर वापसी इस समय हमें प्राप्त नहीं हुई है। अतः यह इस कारण से है कि परिसंपत्तियों पर वापसी में वृद्धि हुई है, अन्यथा हम परिसंपत्तियों पर 3 प्रतिशत जमा की बहुत अच्छी वृद्धि वापसी रख रहे होते। तुलन पत्र साइट में, यदि आप उसे देखें, तो 93 हजार करोड़ के तुलन पत्र में से हमारी शेयरधारक वापसियां लगभग 16 प्रतिशत हैं और तब लगभग 79 प्रतिशत उधारियां हैं और शेष वर्तमान देयताओं के 5 प्रतिशत अथवा इतने ही राशि में तैयार हैं। ऋण परिसंपत्तियों की साइट में 94 प्रतिशत ऋण परिसंपत्ति साइट अथवा कुल परिसंपत्ति साइट तुलन पत्र से है तथा चालू परिसंपत्ति लगभग 6 प्रतिशत बैठती है। इसी शेयर को पूर्ववर्ती तिमाही और पूर्ववर्ती वर्ष में भी रखा गया है।

मुख्य संकेतक : संवितरणों में 40 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। संवितरणों में 63 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जैसा कि एच 1 से संबंधित है। मंजूरीयों में इस तिमाही के लिए 84 प्रतिशत और छह महीने के लिए 25 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। निवल बकाया मंजूरीयों में 18 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। ऋण परिसंपत्तियों में 28 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। परिसंपत्तियों पर प्राप्ति 13 प्रतिशत तक कम हुई है, परंतु इसे लागत37 बेसिस अंक में बचत द्वारा अधिकतर क्षतिपूर्ति हुई है, हमने लागत में बचत की है, इस प्रकार तिमाही में विस्तार की 24 बेसिस अंकों की वृद्धि हुई है और एच 1 विस्तार में 23 बेसिस अंकों की वृद्धि हुई है। निवल ब्याज मार्जिन में 12 बेसिस अंकों की कमी हुई है और परंतु अभी भी तिमाही और अर्धवार्षिकी में हमारे लिए निवल ब्याज मार्जिन 4 प्रतिशत अतिरिक्त है; जो उद्योग, जिसमें हम हैं, के लिए बहुत अच्छा है। औसत निवल मूल्य पर प्रतिफल 99 बेसिस अंकों तक कम हुआ है परंतु यदि आप विनिमय लाभ/हानि की बात करें तो हर एक चीज 2.5 प्रतिशत तक कम हुई है परंतु यह मूल रूप से उच्चतर कर प्रावधान के कारण कम

हुआ है और तब अन्य आय में कमी आई है। पूंजीगत उपयुक्तता अनुपात 17.43 प्रतिशत बैठता है; ई पी एस 2.19 तक बढ़ा है और अर्जित मूल्य 15.46 तक बढ़ा है। यदि आप इस तिमाही में संवितरण संयोजन को देखें, तो हमने देखा है कि इसमें उदभव साइड में गतिविधि है। हमने उदभव साइड में अधिक संवितरित किया है। इसमें ट्रांसमिशन साइड में वृद्धि हुई है, हम ट्रांसमिशन साइट में अधिक संवितरित कर सकते हैं। अर्धवार्षिकी में भी पहले 476 करोड़ से 1041 करोड़ के ट्रांसमिशन वितरण की वृद्धि की है। अन्यों में अर्धवार्षिकी में मूल रूप से अल्प अवधि उच्च ऋण के कारण 797 करोड़ से 3084 करोड़ की बड़ी बढ़ोतरी हुई है और हमने वाइंड पावर उपकरण के लिए उपकरण विनिर्माण सुविधा के दिशा में लगभग 800 करोड़ की सुजलॉन इनर्जी संवितरित की है। यदि आप कर्जदार-वार देखें तो राज्य क्षेत्र में हमने एक बड़ा कार्य व्यापार किया है परंतु निजी क्षेत्र में हमने अर्धवार्षिकी में 411 करोड़ से 2394 करोड़ का एक बड़ा कारोबार किया था, जहां हम निजी क्षेत्र में अपना शेयर बढ़ाना चाहते हैं, जो धीरे-धीरे बढ़ रहा है। यदि आप मंजूर ऋण प्रशमन को देखें तो सेट्रल क्षेत्र की मंजूरीयों में 3,747 करोड़ से 2,500 करोड़ की कमी हुई है। इस छह महीने में, हमने पावर ग्रिड कारपोरेशन को 2,500 करोड़ मंजूर किए हैं, जो केंद्रीय उपयोगिता है। पिछले वर्ष भारत, बिजली के संबंध में 3,747 करोड़ की कुछ मंजरियां थीं जिसके प्रति इस बार हमारे पास केवल पावर ग्रिड कारपोरेशन की मंजरियां हैं। मंजूरी में निजी क्षेत्र का 9,082 करोड़ से 10,679 करोड़ का एक बड़ा कारोबार था। तिमाही में भी हमारे पास 4,349 करोड़ से 6,317 करोड़ का कारोबार था। हमारे पास कोस्टल आन्धा पावर यू एम पी पी कृष्णापत्तनम 2000 करोड़, एन सी सी पावर प्रोजेक्ट 1650 करोड़, छत्तीसगढ़ पावर बैंचर 1500 करोड़, लंको पावर 1250 करोड़, इसी तरह कीकी मंजूरीयां थीं। ऋण परिसंपत्ति ऋण प्रशमन, यदि आप देखें कि उदभव 83 प्रतिशत प्रशमन के साथ प्राप्त कर रहा होता है और तब ट्रांसमिशन 7 प्रतिशत, और संवितरण 4 प्रतिशत होता है। पिछले अर्धवार्षिकी में यदि

आप देखें तो 83 प्रतिशत उत्पत्ति है, 10 प्रतिशत ट्रांसमिशन है और 5 प्रतिशत संवितरण है। क्षेत्र-वार रूप में देखने पर, राज्य क्षेत्र में हमारा शेयर 70 प्रतिशत से कम होकर 66 प्रतिशत हुआ है और सेंट्रल क्षेत्र में इसमें 16 प्रतिशत से 19 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। संयुक्त क्षेत्र का शेयर वही 8 प्रतिशत पर है और निजी क्षेत्र 6 प्रतिशत से 7 प्रतिशत हुआ है। हम निजी क्षेत्र में अधिक मंजूरी दे रहे हैं, निजी क्षेत्र में अधिक संवितरित कर रहे हैं तथा ऋण परिसंपत्तियों में भी वृद्धि हो रही है। यदि आप दूसरी साइट में देखें तो मैं कहूंगा कि निजी क्षेत्र के संबंध में बकाया मंजूरियां 1 लाख 63 हजार करोड़ की कुल बकाया मंजूरियों की लगभग 23 प्रतिशत हैं। अतः यह सोचते हुए, हम आशा करते हैं कि हमारी ऋण परिसंपत्ति प्रशमन निजी क्षेत्र में बढ़ता जाएगा और राज्य क्षेत्र का शेयर कम होता जाएगा।

एन पी ए आंकड़े ने एक अति आश्चर्यजनक आंकड़ा बनाया है। हम डेसीमल में अनुरक्षण कर रहे हैं जो सकल एन पी ए का 0.02 प्रतिशत है और निवल एन पी ए का 0.01 प्रतिशत है। आखिरकार एन पी ए सूची में कोई संवर्धन नहीं हुआ है। उधारी विवरणिका में हमारा घरेलू ऋण 95 प्रतिशत बैठता है; विदेशी करेंसी ऋण 5 प्रतिशत; पूर्ववर्ती छह महीने में यह 3 प्रतिशत था, किन्तु इस बार यह 5 प्रतिशत है, हमारी लगभग 20 बिलियन उधारी है; यह इस अर्धवार्षिकी में 240 मिलियन डालर येन मूल्यवर्ग ऋण है; जिसके कारण यह 3 प्रतिशत से 5 प्रतिशत हो गया है, अन्यथा बड़ा भाग रुपए साइट में है। कुल राशि में से, मैं कहूंगा कि 74 प्रतिशत बांड हैं, और तब 26 प्रतिशत ऋणों में है और केवल अल्प - अवधि ऋण डेसीमल में हैं, जो नाममात्र की राशि है। यदि आप संसाधन विवरणिका को देखें, तो शेयर होल्डर निधि 16 प्रतिशत बैठती है, बांड 60 प्रतिशत हैं, रुपया अवधि ऋण 18 प्रतिशत हैं, अल्प अवधि ऋण 1 प्रतिशत से कम हैं और विदेशी मुद्रा ऋण लगभग 4 प्रतिशत हैं।

कुछ बड़ी मंजूरियां, जो हमने अर्ध वार्षिकी में की हैं। ए पी जेन्को के

लिए 1,600 मेगावाट कोल आधारित थर्मल पावर प्लांट के लिए 6,800 करोड़, बेलारी, कर्नाटक में के पी सी एल 700 मेगावाट के कोल आधारित टी पी एस के लिए 3,081 करोड़; टी एल ई बी के तमिलनाडु के 600 मेगावाट इन्नौर टी पी एस के लिए 2,500 करोड़; पावर ग्रिड कारपोरेशन के लिए 6,000 मेगावाट के ट्रांसमिशन लाईन सिस्टम के लिए 2,500 करोड़ और इसी तरह है।

यदि आप शेयर होल्डिंग पद्धति को देखें, तो भारत सरकार के पास 89.78 प्रतिशत है। हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने पहले ही आपको अवगत कराया है कि एफ पी ओ प्राप्त करने का एक प्रस्ताव है और हमने भारत सरकार को आवेदन किया है तथा हम प्रत्युत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यदि आप बड़े शेयर धारकों की बात करें, तो मैं कहूंगा कि जी ओ आई के बाद हमारे 10 शीर्ष शेयर होल्डर, एच डी एफ सी, स्टैंडर्ड लाइफ इंशोरेंस कंपनी, जीवन बीमा निगम और एल आई सी योजनाएं हैं, वे शीर्ष 5 श्रेणी में आ रहे हैं, जे एफ इंडिया, एफ आई आई, वे छठी श्रेणी में हैं, आई सी आई सी आई प्रुडेंसियल, रिलायंस, इंडिया कैपिटल फंड, इंडिया कैपिटल फंड लिमिटेड शेष 10 शीर्ष में आ रहे हैं। इसके साथ ही मैं प्रस्तुतीकरण को समाप्त करूंगा। मंच अब प्रश्न एवं उत्तर सत्र के लिए खुला है। प्रश्न एवं उत्तर के बाद, हमने बढ़िया चाय की व्यवस्था की है, कृपया इसमें भाग लें। अब सत्र पारस्परिक वार्तालाप के लिए है। धन्यवाद।

प्रश्न एवं उत्तर सत्र

- अध्यक्ष :** जी, हांकोई प्रश्न, हालांकि विस्तृत प्रस्तुतीकरण और लोग, जो हमें सुन रहे हैं, में, मैं समझता हूं कि अधिकांश बातें उनकी समझ में आई हैं, परंतु अभी भी जो कोई भी प्रश्न आप पूछना चाहते हैं, मंच खुला है, जी, हां?
- समीर कपाड़िया :** महोदय, मेरा नाम समीर कपाड़िया है, मैं एन पी ए के बारे में एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। आप कह रहे हैं कि कई वर्षों से हम एन पी ए लेखा से जुड़े हैं, आपने जो उल्लेख किया वह आंकड़ा जो भी हो। अतः किस प्रकार की उपचारी कार्रवाई हमने अब तक उस एन पी ए लेखा के बारे में की है?
- अध्यक्ष :** मुझे सुनाई नहीं दे रहा।
- समीर कपाड़िया :** महोदय, क्या अब सुनाई दे रहा है?
- अध्यक्ष :** जी, हां।
- समीर कपाड़िया :** मैं एन पी ए लेखा के बारे में पूछ रहा हूं। हमने अब तक किस प्रकार की उपचारी कार्रवाइयां एन पी ए लेखों के संबंध में की हैं?
- अध्यक्ष :** आप पूछ रहे हैं कि हम इतने कम स्तर पर अपने एन पी ए को बनाए रखने में कैसे सक्षम हुए?
- समीर कपाड़िया :** जी, हां।
- अध्यक्ष :** ठीक है, एक है कि हमने प्रोजेक्ट और प्रमोटर्स, दोनों के लिए एक मजबूत मूल्यांकन तंत्र प्राप्त किया है और हाल ही में हमने एक सिस्टम तैयार किया है जिसे एकीकृत मूल्यांकन प्रणाली/एकीकृत निर्धारण प्रणाली कहा जाता है; दूसरा हमारी सोपाधिकताएं हैं। एक है जो कि मजबूत प्रणाली जोखिमों को देखती है, जो मंजूरी के समय अंतर्ग्रस्त होते हैं, न्यूनीकरण किया जाता है। दूसरा, हमारी

सोपाधिकताएं हैं – मैं आपको उनकी एक सूची दूंगा; उनमें एक है कि हम में से लोग एक ऋण को प्राप्त नहीं करते; अधिकांश कर्जदार एक से अधिक ऋण उधार लेते हैं। इसलिए हमने क्या किया है कि यदि कर्जदार एक साथ लिए गए सभी ऋणों के प्रति देय हर एक चीज को स्पष्ट करता है तो वह ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की छूट प्राप्त करता है। यह ऋण-वार लागू नहीं होता है; यह कुल उधारी पर लागू होता है। यदि फिर भी आप एक ऋण में चूक करते हैं, तो आप हर एक चीज का नुकसान करते हैं। इसलिए 0.25, जैसा कि 11 प्रतिशत अथवा 12 प्रतिशत की दर के प्रति है, हर हाल में 2 प्रतिशत से 2.25 प्रतिशत बैठेगा। परंतु जब यह एक साथ सभी ऋणों से जुड़ता है, तो कभी-कभी आंकड़ा इतना अधिक हो जाता है कि हमारे कर्जदार एकल ऋण के प्रति चुकौती में चूक से डरते हैं, जिसके कारण तब उन्हें हानि काफी अधिक होती है। हमारी सभी उधारियां राज्य क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र के लिए त्रिपक्षीय निलंबन लेख करारों के साथ होती हैं; यह ट्रस्ट एक प्रतिधारण लेखा होता है। अतः हम इस खाते का प्रयोग नहीं करते, तथापि, जरूरत पड़ने पर, जब इसमें कोई चूक हो, तो इसमें मुख्य बैंकर द्वारा बिना शर्त वचनबद्धता होती है कि यदि पी एफ सी उस धन के बारे में पूछता है तो वे बिना शर्त उस धन को हमें स्थानांतरित करेंगे। अब मुद्दा यह हो सकता है कि क्या हम सदैव इसका प्रयोग कर सकते हैं? जी, हां। पिछले 24 वर्षों में हमने इसे भी दो बार प्रयोग किया है; परंतु काफी समय पहले। एक बार मेरे विचार से 1992 में और दूसरी बार कदाचित 1997 में। परंतु मैं यहां यह भी उल्लेख करना चाहूंगा कि यदि आप विद्युत मंत्रालय की वेबसाइट को देखें, तो आप देखेंगे कि पिछले पांच वर्षों में किसी राज्य पावर उपयोगिता द्वारा किसी सेंट्रल उपयोगिता में कोई चूक नहीं की गई है।

इससे भिन्न, यदि हम में से कोई चूक करता है, तो हम उस ऋण के लिए, जिसके संबंध में चूक की गई है सिर्फ संवितरण को ही बंद नहीं करते, बल्कि हम सभी ऋणों के लिए संवितरण को स्थगित कर देते हैं, हम भविष्य की मंजूरियों आदि, आदि को भी स्थगित कर देते हैं। यह बहुत ही युक्तियुक्तहोता है और वास्तव में 2 प्रतिशत का अर्थदंडदांडिक ब्याज लगाया जाता है। अतः इन सभी को हमारे कर्जदारों के साथ एक साथ एक प्रकार के व्यवहार पद्धति में रखा जाता है जो अब से प्राथमिक रूप से राज्य क्षेत्र में हैं, ताकि वे हमारे साथ कोई धोखाधड़ी न कर सकें। जी, हां?

निवेशक 2 :

महोदय, इस बारे में मुझे एक प्रश्न पूछना है।

अध्यक्ष :

क्या आप खड़े हो सकते हैं; आप दिखाई नहीं दे रहे हैं।

निवेशक 2 :

जी, हां। क्या आप इन्फ्रास्ट्रक्चर बांडों से उत्पन्न होने वाली राशि पर कुछ प्रकाश डाल सकते हैं? लक्ष्य क्या है और वृत्तांत से, जो पिछले दो, तीन विषय-वादों में है, वसूली बहुत कम हुई है। अब उधारी लागत में, लगभग 8 प्रतिशत की लागत जो आपके पास है, मैं इस इन्फ्रास्ट्रक्चर बांडों से, जिन्हें आप तैयार करने जा रहे हैं, कितनी छूट कम करने का विचार है?

अध्यक्ष :

देखिए, मुझे विश्वास है, आप यह जानते हैं कि एक तो जैसा कि आई एफ सी, हम एन बी एफ सी लेने वाले गैर न्यासधारी थे। हमारे पास यह मुद्दा था कि हम अपने नॉन डिपोजिट स्थिति को खो देंगे, यदि हम इन इन्फ्रास्ट्रक्चर बांडों को लेते हैं, फिर भी आई एफ सी कंपनियों को अनुमति थी; इसलिए हमने इस संबंध में एक स्पष्टीकरण मांगा था और हमने स्पष्टीकरण प्राप्त किया, जो था, नहीं; फिर भी आप एक गैर न्यासधारी हैं, आप इसके लिए निवेश कर सकते हैं। दूसरी, प्रमात्रा है। प्रमात्रा पर पिछले दो वर्षों को विभेदी उधारी के आधार पर निर्णय लिया जाना होता है। अब

हमारे मामले में पिछले वर्ष यह 25,800 था, उससे पहले यह 21,500 अथवा इतना ही था। उसका 25 प्रतिशत और वह आंकड़ा लगभग 1100, 12000 करोड़ बैठता है। परंतु तब इसमें कुछ संदेह होता है कि क्या यह उस राशि के बराबर होगा अथवा यह कुछ और ही होगा। इसलिए हम स्पष्टीकरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अतः उस स्पष्टीकरणपर निर्भर करते हुए, परंतु यदि हम संतुलित विषय को देखे तो यह 1100, 1200 करोड़ की रेंज में होगा। अब जहां तक प्रत्युत्तर भाग का संबंध है, हमारा सोचना यह है कि इस विशेष प्रावधान का वेतनभोगी वर्ग द्वारा प्रयोग किया जा रहा है और अधिकांशतः वे केवल पिछले तिमाही में ऐसे बचत विकल्पों को देखते हैं। इसलिए हमारा समय दिसम्बर-जनवरी होगा, प्रत्याशातः हमें एक अच्छा प्रत्युत्तर प्राप्त होगा, परंतु यह सब निर्भर करता है, एक बार हम शुरू करें तो हमें सब ज्ञात हो जाएगा।

निवेशक 2 :

विदेशी उधारी जिसे आप अंतर्राष्ट्रीय बाजारों से करने जा रहे हैं, पर कोई लक्ष्यअगलेमार्च तक में और उधारी के लिए कोई ग्राहक?

अध्यक्ष :

जी, हां। आई एफ सी स्थिति से, जैसा कि आप जानते हैं, हम अपने निवल मूल्य के 50 प्रतिशत तक भारतीय रिजर्व बैंक की मंजूरी के बगैर उधार ले सकते हैं; परंतु तीन में 500 मिलियन डालर की वार्षिक उच्चतम सीमा भी है। हमने सितम्बर में सदृश 240 डालर पहले ही कर लिए हैं, फिर भी यह येन बांड है जैसा कि मैंने कहा। 260, हम और बढ़ा सकते हैं। जी, हां। क्योंकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार इस समय अंक पर एक उपयुक्त लागत का प्रस्ताव किया जा रहा है, इस वित्तीय वर्ष में कम से कम 260 मिलियन पर हमारी उधारी होनी चाहिए। समय को हम आवश्यकता और अंतर्राष्ट्रीय बाजार प्रत्युत्तर के आधार पर देखेंगे।

निवेशक 2 :

नीम्स में मार्च तक कितना सुधार हो सकता है, निम के लिए आपका लक्ष्य क्या है? निवल ब्याज मार्जिन क्या है?

अध्यक्ष :

जैसाकि कि मैंने कहा, कि यदि हमारे कार्योत्पादन में निरंतर सुधार होता है, तो निवल ब्याज मार्जिन विस्तार की ओर बढ़ेगा इसलिए अंततः, मार्च तक कुछ भी हो सकता है; यह नीचे की ओर बढ़ेगा और न कि ऊपर की ओर बढ़ेगा – निम, लेकिन फैलाव हुआ है। फिर भी आपको ध्यान देना चाहिए कि दूसरे तिमाही में फैलाव 5 बेसिस अंक अथवा इतना ही कम हुआ है; परंतु यह वास्तव में यह ऐसा नहीं है, इसे 10 बेसिस अंक तक ऊपर होना चाहिए। यह मुख्य रूप से इसलिए है क्योंकि हमारी 240 मिलियन डालर की वृद्धि हुई है और उस तिमाही में शुल्कों को अर्जित किया है; यह इसलिए है, क्योंकि यह कम हुआ है, अन्यथा हम इसके विस्तार में सुधार करने में अथवा कम से कम बनाए रखने में सक्षम होते। लेकिन विस्तार, लाभदायिकता का संकेतक है। इसलिए निम को न देखें। अतः निम का अनुसरण न करें। यदि हम एफ पी ओ को देखें तब निम उस समय अंक पर ऊपर दिखता है परंतु इस समय अंक पर, निम की कम होने की संभावना है। जी, हां ?

निवेशक 3 :

हैलो, महोदय मुझे एक प्रश्न पूछना है। यदि आप भागीदारी करें तो राजस्व एवं लाभदायिकता के अनुसार हमारी परामर्शदायी फर्म -----पी एफ सी परामर्श फर्म की स्थिति क्या है?

अध्यक्ष :

क्या, आय स्तर?

निवेशक 3 :

जी, हां।

अध्यक्ष :

मैंने उल्लेख किया कि कर के बाद हमने पिछले वर्ष 22 करोड़ लाभ अर्जित किया। इस वर्ष भी हम 40 करोड़ अथवा इतना ही अर्जित करेंगे। यह काफी अधिक हो सकता है, यदि ऐसा न होता तो अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्टों का आस्थगन न होता, जो नो गो

इश्यू के कारण हुआ, जिसे पर्यावरण मंत्रालय द्वारा उठाया गया है। अन्यथा, आय काफी अधिक हो गई होती, क्योंकि हमें प्रति अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट 15 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे और यदि यह विषय-वाद नहीं होता तो इस चालू वित्तीय वर्ष में दोनों अल्ट्रा मेगा प्रोजेक्टों को सौंपने की योजना थी।

निवेशक :

क्या इस वर्ष उनके द्वारा सौंपे जाने की कोई संभावना है अथवा अब भी इसे सौंपने में देरी होगी?

अध्यक्ष :

बहुत अच्छा, इस संबंध में ऐसी संभावना नहीं है, हम इस वर्ष में सौंपने में सक्षम होंगे क्योंकि अब तक स्पष्टतया अभी भी नहीं है और हमें नहीं पता कि आर एफ क्यू प्रस्तुतीकरण थे और विलम्बता होगी अथवा नहीं। आर एफ क्यू को प्रस्तुत करने के बाद, इसमें मूल्यांकन किया जाना है, और तब हमें आर एफ पी जारी करना होता है और आर एफ पी जारी करने के लिए हमें प्रस्तुतीकरण के लिए कम से कम 45 दिन का समय दिया जाना होता है तथा इसलिए यह सब इस वित्तीय वर्ष में संभव नहीं होता। तथापि, ट्रांसमिशन, जहां मूल्यांकन जारी है, वहां दोनों प्रोजेक्टों को इस वित्तीय वर्ष में सौंप दिया जाएगा। इसमें हमें लगभग 15 करोड़ का मार्जिन होगा, परंतु जैसा कि मैंने शुरू में कहा कि 15 करोड़ उस सफल बोलीदाता से जुड़ा हुआ है जो कंपनी का कार्यभार देखेगा। इसलिए मुझे कहना चाहिए कि यदि यह साथी कंपनी का अधिग्रहण शीघ्र करता है, तो कुछ जनवरी में प्रदान किया जा सकता है, यदि वह इसे फरवरी में अपने अधिकार में लेता है; तब हमें 15 करोड़ प्राप्त होंगे, परंतु यदि वे निर्णयलेते हैं, क्योंकि वे लगभग दो महीने का समयलेंगे, यदि वे कुछ समय लेने का निर्णय लेते हैं तब इसे अगले वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में शिफ्ट किया जा सकता है। तब ऐसी संभावना कैसे हो सकती है।

निवेशक 3 :

और महोदय, हमारी कुल ऋण प्राप्ति और मंजूरीयों में हमारी नवीकरणीय पोर्टफोलियो की स्थिति क्या है? इसमें वहां तक वृद्धि होगी?

अध्यक्ष :

मैं समझता हूं कि मैंने अपने शुरूआती वक्तव्य में उल्लेख किया है कि प्रकम अर्धवार्षिकी में जहां तक नवीकरणियों का संबंध है, हमने 320 करोड़ स्वीकृत किए हैं और लगभग 361 करोड़ संवितरित किए हैं और हम अगले तीन अथवा चार वर्षों में लगभग 12,000 करोड़ रुपए का एक सशक्त कारोबार देखना चाहते हैं। यदि आप संचित रूप में पूछ रहे हैं तो वह आंकड़ा, जरा मुझे देखने दें, यह मेरे पास है कि नहीं, एक मिनट। 30 सितम्बर के अनुसार संचयी मंजूरीयां पिछले वर्ष की 2900 की तुलना में केवल 3,814 हैं। यह वास्तव में संचयी आंकड़ा है।

निवेशक 3 :

ठीक है, धन्यवाद।

अध्यक्ष :

धन्यवाद। जी, हां..... ?

निवेशक 4 :

मेरा प्रश्न एस पी ए साइड पर पहले प्रश्न के बाद है। हम कोई प्रावधान नहीं कर रहे हैं, यद्यपि हमारा एन पी ए बहुत कम है। परंतु भविष्य को देखते हुए, कोल इंडिया कहता है कि मांग आपूर्ति, कोल आपूर्ति, जो 50 प्रतिशत के पास है, के अनुरूप नहीं है। एल ओ ए, जो भी हो, वे दूसरे विकासक को प्रदान कर रहे हैं और जब वे वास्तव में एफ एस ए में परिवर्तित होते हैं, वे कहते हैं कि वे केवल 50 प्रतिशत देंगे। इस तरह आपका जोखिम अवबोधन क्या है, क्योंकि अब हम आई डी सी के कारण अपना समस्त ब्याज प्राप्त करेंगे? हमारा जोखिम अवबोधन क्या है, समस्त आंतरिक प्लांट, जो कोल इंडिया लिंकेज पर निर्मित है, को रेखा से नीचे चार, पांच वर्षों में कैसे मूर्त रूप दिया जाएगा, जब प्लांट तैयार हो गया हो और कोल इंडिया, कोयले की आपूर्ति में अक्षम हो?

अध्यक्ष :

जी हां, यह ठीक इसी तरह है। यह जनता का प्रश्न है, विकासकर्ता अवसर देख रहे हैं। अब कोल इंडिया सूचीबद्ध हो गई है। कोल इंडिया पर एक तिमाही के बाद दूसरे तिमाही में उत्पादन बढ़ाने के लिए आपकी तरह निवेशकों का दबाव होगा, क्योंकि अथवा उनका शेयर मूल्य एकदम गिरेगा जो एक सकारात्मक संकेत होगा। सरकार ने पहले ही बड़ी संख्या में खानों को उन निजी उत्पादकों को सौंप दिया है, जिन्होंने वास्तव में कार्रवाई नहीं की है, जैसा कि परिकल्पित है, परंतु अब यह तथ्य बताते हुए कि कोल इंडिया की क्षमता और उनकी भविष्य की बातें, जो वे कह रहे हैं, वे पूर्ण रूप से आपूर्ति नहीं करेंगे, रास्ते पर आ रही हैं। मेरा अनुमान है कि निजी विकासकर्ता, तेजी से आगे बढ़ेंगे। इसके साथ ही सरकार ने वास्तव में कहा है कि वे विकासकर्ता जो कोल इंडिया से पूरी सीमा में अनुबंध नहीं कर सकते हैं, उन्हें कोयले के आयात की अनुमति दी गई है। इस तरह, यद्यपि आयात नहीं किया गया था, न ही उस आदेश में था, परंतु यह विकल्प सदैव उनके पास है। प्रश्न यह है कि यदि निजी विकासकर्ताओं को देखें, एन टी पी सी ने कभी-कभार कहा है कि कोल की गैर उपलब्धता के कारण वे उत्पादन नहीं कर सकेंगे, परंतु मैं यह कहते हुए किसी निजी विकासकर्ता पर नहीं पहुंचा हूं कि वे उत्पादन इसलिए नहीं कर पाएंगे, क्योंकि कोयला नहीं था। इसलिए वे व्यवस्थाएं करेंगे क्योंकि उन्होंने पावर के कारोबार में धन देखा है और ईंधन मूल्य में घट-बढ़ स्पष्ट रूप से अधिकांश मामलों में इसके पार जाता है, सिवाय उसके, जहां यह वाणिज्यिक शक्ति हो अथवा राज्य स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बोलीपन हो।

निवेशक 4 :

महोदय, हमारी आपूर्ति एल ओ ए पर आधारित है अथवा ईंधन आपूर्ति समझौते पर, जिसे विकासकर्ता कोल इंडिया के साथ अथवा किसी अन्य के साथ हस्ताक्षर करता है?

- अध्यक्ष :** हां, पहले हम यह तथ्य देते हुए ईंधन आपूर्ति समझौते पर जोर दे रहे थे कि कोल इंडिया कुछ समय ले रहा है, हम निश्चित रूप से अधिनिर्णय पत्र पर जोर दे रहे हैं और ईंधन आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कुछ समय दे रहे हैं।
- निवेशक 4 :** ठीक है, धन्यवाद।
- अध्यक्ष :** जी, हां ?
- निवेशक 5 :** सिर्फ दो प्रश्न, एक है गृह व्यवस्था, 30 सितम्बर की स्थिति के अनुसार आपका सोपान 1 क्या है? सोपान 1 पूंजी अनुपात ?
- अध्यक्ष :** अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए बहुत कम राशि सोपान 2 के रूप में रखी गई है। मेरा मानना है कि यह लगभग 800 करोड़ है; शेष संपूर्ण राशि सोपान 1 है। 16.43 प्रतिशत सोपान 1 है और लगभग 1 प्रतिशत सोपान 2 है।
- निवेशक 5 :** 15.43 प्रतिशत?
- अध्यक्ष :** 16.43 प्रतिशत। मैंने कहा, जैसाकि आप जानते हैं, सितम्बर में हमारी पूंजी उपयुक्तता 17.43 है। अब उसमें से लगभग 1 प्रतिशत सोपान 2 है, जो अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रारक्षित है और शेष सोपान 1 है।
- निवेशक 5 :** और क्या इस 16.43 प्रतिशत में पहली अर्धवार्षिकी के लाभ शामिल हैं?
- अध्यक्ष :** जी, हां। वास्तव में।
- निवेशक 5 :** दूसरा प्रश्न है, क्या 30 सितम्बर की स्थिति के अनुसार आप अपने ए एल एम स्थिति पर हमें नई जानकारी देंगे और आपके पास अभी भी कुछ बुकेट्स में कुछ खुली स्थितियां हैं, जैसा कि 31 मार्च के मामले में था?

अध्यक्ष :

कौन सी स्थिति? ए एल एम? परिसंपत्तिदेयता? जी, हां। वास्तव में आप समझते हैं कि हमारी विदेशी मुद्रा उधारी पूर्णतः कुल उधारियों की मात्रा 5 प्रतिशत है, जो मिनीस्कल है और अधिकांश उधारियों को थोड़े समय बाद चुकता किया गया है, उदाहरणार्थ, 180 मिलियन डालर, जिसे हमने निर्धारित दर पर 2007 में प्राप्त किया था, 2017 में चुकाए जाने के लिए देय है। 300 मिलियन डालर, जिसे हमने मार्च 2010 में उधार लिया था, वह मार्च, 2015 में परिशोधन हेतु देय है, 240 मिलियन डालर, जो येन मूल्यवर्ग ऋण के सदृश है, जिसे हमने उधार लिया, मैं समझता हूँ कि पांच वर्ष की औसत पूर्णता अवधि है। अतः दृश्य प्रस्तुत करते हुए, हम बचाव की स्थिति में नहीं हैं, यद्यपि हमारी संपत्ति देयता अनुरूप नहीं है, टीम इसमें बहुत कमजोर दिखती है और इसमें हर महीने एक ए एल सी ओ बैठक होती है। अतः लगभग 82 प्रतिशत खुली स्थिति है और 18 प्रतिशत इस बारे में परिशोधित है।

निवेशक 5 :

मेरा प्रश्न आपकी परिसंपत्ति और आपके घरेलू ऋण की देयता बेमेलता से अधिक संबंधित है, जो बहुत बड़ा है।

अध्यक्ष :

मैं समझता हूँ कि परिसंपत्ति औसत परिपक्वता लगभग 6.02 है, और देयताएं 5.52 हैं।

निवेशक 5 :

ठीक है, धन्यवाद।

अध्यक्ष :

जी, हां ?

निवेशक 6 :

महोदय कुछ समय पहले आपने कहा था कि आपने उपकरण विनिर्माताओं को भी ऋण देना शुरू कर दिया है, तो इस संबंध में हमारा अनुभव क्या है? इसमें हमारी बकाया राशियां क्या हैं अथवा मंजूरीयां क्या हैं?

अध्यक्ष :

सही है, जहां तक मैं समझता हूं हम दो ऋण स्वीकृत कर सकते हैं, एक वाइन्ड विनिर्माण के लिए सजलोन को और दूसरा सोलर उपकरण विनिर्माण के लिए के एस के इनर्जी को। मैं मानता हूं कि कुल योग लगभग 1100 करोड़ बैठता है। परंतु कोयला खदान, जो सरलीकरण का दूसरा क्षेत्र भी है, परियोजना लागत के भाग के रूप में निधि प्राप्त कर रहा है। मैं समझता हूं कि दो अथवा तीन परियोजनाओं को हमने पहले ही निधि प्रदान किया है, जहां कोयला खदान अपने आप में परियोजना लागत का भाग है। सरसन एक है तथा यह दूसरी परियोजना है, जो हमने किया है।

निवेशक 6 :

इस तरह आगे बढ़ते हुए, इस कारोबार को किस प्रकार बढ़ाने की आशा करते हैं? क्या आप उपकरण विनिर्माण के भीतर नये क्षेत्रों को खोजेंगे अथवा क्या है?

अध्यक्ष :

बहुत अच्छा, इस ग्रुप को हमने संभाव्यता को सृजित करने के लिए शुरू किया है, जो पावर उत्पत्ति, में जो भी हो, तेजी से मदद करता है, हमें इसका एक भाग होना चाहिए। तो, कितनी परियोजनाएं, कैसे हम उस क्षेत्र में विस्तार करेंगे, लोकप्रियता पर निर्भर करेगा और हमारी सुसंगतता पर भी निर्भर करेगा। गूढ़ तथ्य कि हमने इस वर्ष शुरुआत की थी। मैं आशा करता हूं कि कारोबार, उस क्षेत्र में भी बढ़ेगा। परंतु इस समय यह आने वाले कम से कम दो, तीन वर्षों में हमारी कुल पोर्टफोलियो का एक बड़ा प्रतिशत नहीं हो सकता, बाद में ठीक हो सकता है, यह एक महत्वपूर्ण भाग होगा। परंतु इस समय यह सिर्फ एक अहमत्वपूर्ण भाग ही रहेगा, जैसे कि परामर्श शुल्क। फिर भी यह प्रत्येक वर्ष दोगुना हो रहा है, लेकिन हमारी समग्र आय काफी अधिक हो रही है, यह हमेशा अहमत्वपूर्ण ही दिखेगा। अतः हर एक को पृथक रूप में देखना चाहिए कि इस कारोबार के लिए हम कितनी उन्नति कर रहे हैं, और न कि कुछ कारोबार के एक प्रतिशत के रूप में, जैसा मैं मानता हूं।

निवेशक 6 :

धन्यवाद।

- अध्यक्ष :** आगे जारी रखने के लिए कुछ अन्य प्रस्ताव हैं, जिनका मेरे सहयोगी यहां उल्लेख कर रहे हैं। यहां उस क्षेत्र में आने वाले विभिन्न प्रकार के प्रस्ताव हैं, परंतु जब तक हम उन्हें मंजूर नहीं करते हैं, मैं इस स्तर पर उनका उल्लेख नहीं करूंगा।
- निवेशक 7 :** आपकी परिसंपत्ति – देयता अवधि के आधार पर, आपके कितने ऋण 3 वर्ष में पुनः निर्धारित होंगे और कितने 10 वर्ष में पुनः निर्धारित होंगे?
- अध्यक्ष :** जी, हां। 12 प्रतिशत निर्धारित हैं, 88 प्रतिशत प्रवाहमान हैं, 100 में से 73 प्रतिशत परिसंपत्ति साइड पर 3 वर्षीय पुनः निर्धारित हैं और 9 प्रतिशत 10 वर्षीय पुनः निर्धारण के साथ हैं। अतः बहुलता 3 वर्षीय पुनः निर्धारण की है।
- निवेशक 7 :** अतः आपकी प्रभावी अवधि आपकी इसपरिसंपत्ति अवधि से कम होनी चाहिए। यदि मैं समझता हूं कि आपकी ऋण प्राप्ति का 73 प्रतिशत, 3 वर्षीय रि-सेट है, तब आपकी प्रभावी ऋण अवधि छह वर्षऔर अधिक, लगभग चार वर्ष अथवा कुछ इस तरह से कम नहीं होनी चाहिए?
- अध्यक्ष :** जी, नहीं। यह केवल उस वयान रि-सेट के प्रयोजनार्थ है, यह तीन वर्ष की है। उस समय से जब हमने थर्मल स्टेशनों के लिए इस 3 वर्षीय रि-सेट को लागू किया है, हम 15 वर्ष जमा निर्माण अवधि, जहां छह महीने प्रदान कर रहे हैं, जो चौखट-दर-चौखट लगभग 18 वर्ष बैठता है, परंतु तब से यह परिशोधन आधार पर है, औसत परिपक्वता तीन वर्ष का निर्माण जमा 7-1/2 होगी, इस तरह यह लगभग 10 वर्ष होगी। जबकि हाइड्रल स्टेशन के लिए, जो पूर्ण मूल्य के अनुसारहै, जहां प्रतिशत कम है, वहां यह 20 वर्ष जमा निर्माण अवधि, जमा छह महीने है। चौखट-दर-चौखट यह लगभग 24 वर्ष होगी; परंतु परिशोधन के समंजन के आधार पर यह लगभग 11, 12 होगी। इस प्रकार और तब से हम पिछले 24 वर्षों से इस कारोबार में थे; इसमें पुराने ऋण हैं, जहां

हमने छह महीने, एक वर्ष, दो वर्ष, तीन वर्ष छोड़े हैं और यह इसलिए है क्योंकि औसत छह वर्षों की दिख रही है। अन्यथा यों कहिए कि इसे लगभग 9 वर्षों की रेंज में होना चाहिए।

निवेशक 7 :

और महोदय, ए पी डी आर पी में प्रगति पर हमारी पिछली टिप्पणियों पर आपके अनुसार यह कितनी सफल है और आपका क्या सोचना है?

अध्यक्ष :

मैं समझता हूँ कि अपनी शुरुआती टिप्पणियों में मैंने विस्तार से स्पष्ट किया है कि 1400 शहरों को इस योजना के अंतर्गत लाया जाना है और इस योजना के दो भाग हैं, भाग क और भाग ख। भाग क में हमने सभी 1400 नगरों को शामिल किया है और भाग ख में हमने 60 प्रतिशत को शामिल किया है तथा शेष को इस वित्तीय वर्ष में शामिल किए जाने की योजना है। अब इस 1400 में से लगभग 250 से 300 नगर पहले से 15 प्रतिशत से कम के हानि स्तर पर हैं। अतः इनमें योजना अनुप्रयोज्य नहीं होगी। इस भाग के साथ साथ भाग ख के लिए तीव्र मंजूरी एक स्पष्ट संकेत है कि योजना सही दिशा में जा रही है। तथापि, उपयोगिताओं ने वास्तव में इसे क्रियान्वित किया है। एक ही विषय है जिसे हम कह सकते हैं, मॉनीटरिंग तंत्र, जिसका हम पालन कर रहे हैं। हमनेअपने स्तर पर मासिक बैठकें करना शुरू कर दिया है तथा उपयोगिताओं के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से जो कुछ भी प्रतिबद्धताएं ली जाती हैं, उन्हें कार्यवृत्त किया जाता है और सम्प्रेषित किया जाता है। विद्युत मंत्रालय के सचिव से एक पत्र राज्य सरकार स्तर में वरिष्ठतम प्राधिकारी को यह सुनिश्चित करने के लिए पत्र भेजा जाता है कि मूल उपलब्धि प्राप्त की गई है। यह दोहराते हुए कि ढांचा स्वयं योजना का भाग क ऐसा है, यदि इसे समय के भीतर पूरा नहीं किया गया, तो उपयोगिताएं ऋण का उपयोग करते हैं, इस धन को आरंभिक रूप में ऋणों के रूप में दिया जाता है। इसे अनुदान में परिवर्तित नहीं किया जा सकता। अतः माना कि उपयोगिता

के रूप में आपको 100 करोड़ अथवा 50 करोड़, अथवा जो भी हो, दिया गया था, और यदि आप अपेक्षित मुख्य लक्ष्य को तीन वर्ष, अथवा दो वर्ष, जो भी विनिर्दिष्ट हो, की अवधि के भीतर प्राप्त करते हैं, तब आपको इस धन को लौटाने की आवश्यकता नहीं है, क्या आपके लिए उस मुख्य उद्देश्य को प्राप्त करना काफी आकर्षक नहीं होगा? इस पर वह स्थिति क्या है। और जहां तक भाग ख का संबंध है, शुरू में दी गई 50 प्रतिशत की ऋण राशि 5 वर्षों की अवधि उपरांत 10 प्रतिशत आधार पर अनुदान में परिवर्तित हो जाती है, यदि आप हानि घटाव को बनाए रखने में सक्षम होते हैं। इसलिए, कारक, जो प्रगति में मदद कर रहे हैं, संरचना है, क्या हमारी ओर से तीव्र मंजूरी कठोर मॉनीटरिंग तंत है, परंतु हां, वास्तविकता बनाते हुए राज्य उपयोगिता का नजरिया हर चीज को प्राप्त करना है, कुछ विलंब हो सकता है तथा यह संभव है, परंतु हम अब प्रगति से पूरी तरह से सहमत हैं, जो हमने अब तक प्राप्त की है।

निवेशक 7 :

धन्यवाद।

अध्यक्ष :

जी, हांकोई और?

निवेशक 8 :

महोदय, हमारे बैंकिंग व्यवस्था में प्रवेश करने के बारे में काफी बातें वही गई हैं, अतः इस पर कोई विचार है?

अध्यक्ष :

मैं समझता हूं कि मैंने पहले ही इसे काफी स्पष्ट कर दिया है कि यह केवल एक समन्वेषी प्रक्रिया थी। रिजर्व बैंक ने घोषणा की है कि वह नये बैंकों को लाइसेंस प्रदान करने जा रहा है। हमने सोचा कि हम भी यह प्रयास कर सकते हैं, चाहे वह अब से लंबे, लंबे समय, 10 वर्ष, 15 वर्ष में हो, हम अपने आप को एक बैंक में बदलने या फिर अपने कारोबार को एक बैंक में बदलने के बारे में सोच सकते हैं अथवा सभी दूसरी पावर क्षेत्र, निजी क्षेत्र के उपक्रमों को साथ में जुड़ने के लिए कह सकते हैं और अपने स्वयं का एक बैंक सृजित कर सकते हैं। यह नहीं कि वे संपूर्ण कारोबार उस बैंक के माध्यम से करेंगे। लेकिन आप जानते हैं, कारोबार में

सामान्य प्रथा क्या है। यदि आपको कुछ सेवाओं की अत्यधिक आवश्यकता हो, तब आप एक कंपनी का सृजन करते हैं जो वह सेवाएं प्रदान करती है, ताकि वह आपको प्राप्त हो। इसी तरह से, हमने भी थोड़ा सोचा लेकिन निर्णय नहीं लिया गया है कि हम अपने आप को एक बैंक में बदलेंगे अथवा अपने आप एक बैंक में परिवर्तित हो जाएंगे। इसलिए मैं यहां स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि जब तक यह अन्वेषी प्रक्रिया पूरी समाप्त नहीं होती है, तब तक आप यह मान सकते हैं कि हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। यह सिर्फ एक अन्वेषी प्रक्रिया है और उसे अवश्यमेव करना नहीं चाहते हैं। अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। बोर्ड से भी हमने अन्वेषणके लिए नियुक्ति, परामर्शदाता की मंजूरी ले ली है, लेकिन कुछ भी नहीं हुआ है, हमने निर्णय लिया है कि हम इस काम को नहीं करेंगे। क्या आप सहमत हैं?

निवेशक 8 :

जी, महोदय, धन्यवाद।

अध्यक्ष :

ठीक है, धन्यवाद। कोई और कुछ ? मैं समझता हूं कि हमने आज के कार्य पूरे कर लिए होंगे। मैं समझता हूं कि किसी के पास कोई अन्य प्रश्न नहीं है। इसमें भाग लेने के लिए और जिज्ञासु प्रश्न पूछने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, जिस पर हमने विचार किया है और स्वयं को तथा निवेशकों को स्पष्टता दी है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अनुरोध करता हूं कि कृपया सभी हमारे साथ चाय पिएं।

- टिप्पणी :**
1. इस दस्तावेज को सुवाच्यता में सुधार के लिए संपादित किया गया है।
 2. रिक्त स्थान इस प्रतिलिपि में अश्रयता अथवा अबोधगम्य शब्दों को दर्शाते हैं।